vinetur

पाले और गर्मी से फसल आधी होने के बाद शैम्पेन उत्पादक रिज़र्व वाइन इस्तेमाल करने की तैयारी में

अधिकारियों का कहना है कि घटी हुई फसल भी इस क्षेत्र की हाल के वर्षों की सबसे मजबूत विंटेजों में से एक दे सकती है।

बुधवार, 9 सितंबर 2026



फ्रांस में शैम्पेन उत्पादक इस साल वसंत के पाले और गर्मियों की भीषण लू के बाद रिज़र्व वाइन पर निर्भर होने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि इन घटनाओं ने इस क्षेत्र की अंगूर फसल को काफी घटा दिया है, हालांकि उत्पादक और व्यापार अधिकारी कहते हैं कि यह विंटेज अभी भी हाल के वर्षों की कुछ बेहतरीन वाइन दे सकता है।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े वाइन उत्पादक, फ्रांस भर में मौसम के उतार-चढ़ाव ने पकने की प्रक्रिया तेज कर दी और शैम्पेन सहित कई वाइन क्षेत्रों में कटाई को रिकॉर्ड के सबसे शुरुआती दिनों तक आगे खिसका दिया। शैम्पेन में यह रफ्तार इतनी तेज़ थी कि कुछ उत्पादकों ने अपनी गर्मियों की छुट्टियाँ बीच में ही खत्म कर दीं और मौसमी तोड़ने वालों को तय समय से पहले वापस बुला लिया गया, यह जानकारी Comité Champagne, जिसे CIVC भी कहा जाता है, के सह-अध्यक्ष मैक्सिम तूबार ने दी, जो इस क्षेत्र की निगरानी करने वाला उद्योग निकाय है।

तूबार ने पत्रकारों से कहा, “हम पूरी तरह तैयार नहीं थे,” और उन्होंने ऐसे मौसम का वर्णन किया जो कई उत्पादकों की अपेक्षा से कहीं तेज़ चला।

फसल पर यह दबाव मौसम की एक कठिन श्रृंखला के बाद आया है। मौसम के शुरुआती दौर में वसंत के पाले ने बेलों को नुकसान पहुँचाया, और फिर गर्मियों की लू ने पैदावार और घटा दी। फ्रांस के कृषि मंत्रालय ने इस हफ्ते कहा कि शैम्पेन क्षेत्र में वाइन उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधा रहने की उम्मीद है, जो देश के सबसे मूल्यवान वाइन क्षेत्रों में से एक के लिए एक बड़ी गिरावट है।

मंत्रालय का यह अनुमान शैम्पेन की बिक्री योग्य उपलब्धता में सीधे उसी अनुपात की गिरावट नहीं दर्शाता, क्योंकि इस क्षेत्र के उत्पादकों के पास एक महत्वपूर्ण सुरक्षा-तंत्र है, जो कई अन्य वाइन क्षेत्रों में नहीं होता। अधिकांश शैम्पेन कई फसल-वर्षों की वाइनों के मिश्रण से बनाई जाती है, और हाउस मजबूत वर्षों की रिज़र्व वाइन संभालकर रखते हैं ताकि कमजोर फसल आने पर शैली और मात्रा बनी रहे। इस साल इन रिज़र्व का केंद्रीय रोल रहने की उम्मीद है।

हालांकि, सभी उत्पादकों के सामने एक जैसी चुनौतियाँ नहीं हैं। तूबार ने कहा कि कुछ लोग कमी पूरी करने के लिए रिज़र्व स्टॉक का उपयोग करने का फैसला कर सकते हैं, जबकि अन्य भविष्य के मिश्रणों के लिए उन भंडारों का कुछ हिस्सा सुरक्षित रखना पसंद कर सकते हैं। व्यवहार में इसका मतलब इस साल कम वाइन बोतलबंद करना हो सकता है, ताकि बाद के वर्षों के लिए लचीलापन बना रहे।

यह स्थिति इस साल की फसल से आगे भी मायने रखती है, क्योंकि रिज़र्व का प्रबंधन एक प्रीमियम वाइन श्रेणी में स्थिरता बनाए रखने का अहम उपकरण है। जब मात्रा घटती है, तो शैम्पेन हाउसों को मिश्रण और तहखाने से जुड़े फैसले अधिक सावधानी से करने पड़ सकते हैं, और अगर इन मिश्रणों में जा रही नई वाइनों में चरम गर्मी के कारण अल्कोहल अधिक हो, तो चुनौती और बढ़ सकती है। व्यापक पेय उद्योग के लिए यह मौसम एक स्पष्ट उदाहरण है कि जलवायु दबाव उच्च-मूल्य खंडों में आपूर्ति और उत्पादन-योजना, दोनों को कैसे प्रभावित कर सकता है।

कम मात्रा के बावजूद, उद्योग अधिकारियों ने कहा कि गुणवत्ता का आउटलुक मजबूत है। उत्पादकों ने वाइन को “असाधारण” बताया, और पके हुए अंगूर तथा मिल्डच्यू की अनुपस्थिति का हवाला दिया ; यह एक बीमारी है जो बेलों को नुकसान पहुँचा सकती है और फलों की गुणवत्ता को कमजोर कर सकती है। CIVC के तकनीकी निदेशक सेबास्तियान डेबुइसों ने कहा कि मजबूत गुणवत्ता ने निराशाजनक पैदावार को उत्पादकों के लिए स्वीकार करना आसान बना दिया।

फिर भी, अंगूरों को पकाने में मदद करने वाले ऊँचे तापमान ने एक और तकनीकी समस्या पैदा की है। डेबुइसों के अनुसार, वाइनों में अल्कोहल स्तर अधिक रहने की उम्मीद है, जो वाइनमेकिंग को जटिल बना सकता है। शैम्पेन में, जहाँ तैयार शैली के लिए संतुलन, ताजगी और सटीकता केंद्रीय हैं, गर्मतर बढ़ती परिस्थितियाँ तहखाने में वाइनों को संभालने के तरीके में बदलाव की मांग कर सकती हैं।

घटी हुई फसल ऐसे समय आई है जब शैम्पेन उत्पादक पहले से ही अधिक कठिन व्यावसायिक माहौल से गुजर रहे हैं। वैश्विक अल्कोहल खपत में गिरावट और आर्थिक अनिश्चितता के कारण मांग पर दबाव पड़ने से उद्योग ने हाल के वर्षों में उत्पादन लक्ष्य कम किए हैं। उत्पादक अमेरिकी टैरिफ नीति के संभावित प्रभावों पर भी नज़र रखे हुए हैं, जो फ्रांसीसी वाइन के लिए अब भी महत्वपूर्ण एक बाजार में निर्यातकों पर दबाव की एक और परत जोड़ सकता है।

कमज़ोर फसल और नरम मांग का यह मेल पूरे क्षेत्र के हाउसों के लिए गणना को और जटिल बना देता है। आम तौर पर छोटी फसल आपूर्ति को कड़ा कर देती है, लेकिन कई उत्पादक ऐसे बाजार में मात्रा बढ़ाने से भी बचना चाहते हैं जहाँ उपभोक्ता कुल मिलाकर कम अल्कोहल खरीद रहे हैं। रिज़र्व प्रणाली उन्हें अल्पकालिक झटकों को संभालने की गुंजाइश देती है, हालांकि यह लंबी अवधि के उस सवाल को खत्म नहीं करती कि यदि अस्थिर मौसम आम होता गया तो इन रिज़र्व की कितनी बार जरूरत पड़ेगी।

शैम्पेन की संरचना उसे कई स्थिर वाइन क्षेत्रों की तुलना में अधिक लचीला बनाती है, क्योंकि अलग-अलग विंटेजों के

बीच मिश्रण पहले से ही मानक उत्पादन का हिस्सा है। यह लचीलापन हाउसों को एक फसल से दूसरी फसल तक के अंतर को समतल करने और उपभोक्ताओं के लिए एक पहचानने योग्य हाउस शैली बनाए रखने की अनुमति देता है। लेकिन जब मौसम की चरम स्थितियाँ बार-बार आती हैं, तो यह मॉडल भी दबाव में आ सकता है, खासकर तब जब उत्पादक ऐसे भंडार को खाली करने से बचना चाहें जिसकी आगे फिर जरूरत पड़ सकती है।

इस साल दाख़बागों में चुनौती बीमारी से कम और रफ़्तार व एकाग्रता से अधिक जुड़ी थी। अंगूर तेज़ी से पके, कटाई की तारीखें आगे खिसकीं, और उत्पादकों को कम समय में श्रम और लॉजिस्टिक्स के हिसाब से खुद को ढालना पड़ा। नतीजा एक ऐसा मौसम है जो विरोधाभास से परिभाषित होता दिखता है : अंगूर बहुत कम, लेकिन संभावित रूप से बहुत मजबूत वाइन।

शैम्पेन हाउसों, उत्पादकों और सहकारी समितियों के लिए अगला कदम इस पर निर्भर करेगा कि उनमें से हर एक अपने रिज़र्व आधार का कितना हिस्सा जारी करने का फैसला करता है और नई वाइन विनिफिकेशन के दौरान कैसा प्रदर्शन करती है। इस क्षेत्र ने पहले भी असमान विंटेज झेली हैं, लेकिन इस साल पाला, गर्मी, जल्दी कटाई और ऊँचे अल्कोहल स्तर का संयोजन मौजूदा फसल से कहीं आगे तक मिश्रण संबंधी फैसलों को प्रभावित कर सकता है।